

वृत्ताकार कल्पित रेखा जो उसे दो बराबर भागों में बाँटती है जिन्हें "उत्तरी गोलार्ध" और "दक्षिणी गोलार्ध" कहा जाता है, भूमध्य रेखा, विषुववृत्त।

**विषुवदिन** वि. (तत्.) खगो. वह दिन जब दिनमान और रात्रिमान बराबर होते हैं, दिनमान और रात्रिमान कुल 60 घड़ी (24 घंटे) का है।

**विषुवांश** वि. (तत्.) खगो. किसी खगोलीय पिंड की स्थिति निर्धारित करने वाला एक निर्देशांक जो विषुववृत्त के अनुदिश पूर्व दिशा में मापी गई कोणीय दूरी अर्थात् 0 से 360 तक या 0 घंटे से 24 घंटे तक होता है, विषुवांश को 'वसंत विषुव बिंदु' से मापा जाता है, दूसरा निर्देशांक 'क्रांति' कहा जाता है। declination

**विषूचिका** स्त्री. (तत्.) हैजा रोग।

**विषे** वि. (तत्.) 1. जल में 2. बीच, मध्य में परसर्ग प्रयोग, जिसका अर्थ 'में' है।

**विषैला** वि. (तत्.) जहरीला, विषघ्न, विषयुक्त।

**विषौधि** स्त्री. (तत्.) विषहारी, विषघ्न, विष का प्रभाव नष्ट करने वाली औषधि, विषनाशक औषधि।

**विष्कार** वि. (तत्.) पक्षी, चिड़िया विशेष।

**विष्टंभ** पुं. (तत्.) 1. अवरोध, बाधा, रुकावट 2. पेट फूलने का रोग।

**विष्टंभन** पुं. (तत्.) रोकने या संकुचित करने की क्रिया, आकुंचन।

**विष्टि** स्त्री. (तत्.) 1. व्याप्ति 2. धंधा, पेशा, व्यवसाय 3. मजदूरी 4. बेगार 5. प्रेषण 6. नरक-वास 7. एक करण, भद्रा।

**विष्ठा** स्त्री. (तत्.) 1. मल, मैला, पाखाना 2. पेट, उदर।

**विष्णु** पुं. (तत्.) 1. सर्वव्यापक सत्ता का नामान्तर, सर्वप्रधान देव, सृष्टि के पालनकर्ता देव जो सृष्टि के सर्वसर्वा हैं 2. अग्नि 3. तपस्वी जन 4. विष्णु स्मृति के निर्माता एक स्मृतिकार।

**विष्णुकांता** स्त्री. (तत्.) नीले रंग की अपराजिता, नीलोत्पला।

**विष्णुगुप्त** पुं. (तत्.) प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ चाणक्य का वास्तविक नाम।

**विष्णुत्व** पुं. (तत्.) विष्णु होने का भाव, विष्णुपद प्राप्त होने की स्थिति।

**विष्णुपंचक** पुं. (तत्.) कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी से पूर्णिमा तक लगने वाले पंचकों को विष्णु पंचक कहा जाता है, भीष्म पंचक भी इन्हीं को कहा जाता है।

**विष्णुपद** पुं. (तत्.) 1. आकाश 2. क्षीरसागर 3. कमल 4. भगवान विष्णु के चरण 5. (गया) में भगवान विष्णु के चरण चिह्न।

**विष्णुपदी** स्त्री. (तत्.) 1. विष्णु के चरणों से निकलने वाली, भागीरथी गंगा 2. द्वारिका पुरी।

**विष्णुलोक** पुं. (तत्.) वैकुण्ठधाम, विष्णु का निवास लोक।

**विष्णुवल्लभा** स्त्री. (तत्.) 1. लक्ष्मीजी 2. तुलसी 3. अग्निशिखा।

**विष्णुशिला** स्त्री. (तत्.) शालग्राम, काले चिकने पत्थर की गोल बटिया।

**विश्वक** वि. (तत्.) 1. विश्व संबंधी, विश्व का 2. संपूर्ण विश्व में समान रूप प्राप्य अथवा होने वाला 3. इस जगत से भिन्न, शेष संपूर्ण विश्व से संबंध रखने वाला, पृथ्वी को छोड़कर समस्त आकाश और ब्रह्मांड का। cosmic

**विसंकेतक** पुं. (तत्.) कूटलेख को पढ़ने वाला।

**विसंकेतन** पुं. (तत्.) गूढ़ लेख को पढ़ने का कार्य।

**विसंक्रमण** पुं. (तत्.) आयु. किसी वस्तु अथवा पदार्थ को अधिक तापमान पर रोगाणुओं से मुक्त करने की प्रक्रिया, संक्रमणहरण।

**विसंक्रमित** वि. (तत्.) जिसके रोगाणुओं/जीवाणुओं को नष्ट कर दिया गया हो, रोगाणुओं से रहित किया गया।